G.L.A COLLEGE MEDNINAGAR

(Personality development mail graduate student)
(व्यक्तित्व विकास में स्नातक छात्रों का परिक्षण)

(Faculty of arts)

by

MUNNA KUMAR GUPTA

Roll No :- 17MA1237927
Reg. No :- NPU/08470/2011-14
G.L.A College of Psychology
Department

Under the supervision

Dr. Sudhansu Tiwari
Professor G.L.A College of Psychology Department

व्यक्तित्व विकास

परिचय :–

व्यक्तित्व (Personality) आधुनिक मानोविज्ञान का बहुत ही महत्वपूर्ण एवं प्रमुख विषय है। **व्यक्तित्व** के अध्यन्न के आधार पर व्यक्ति के व्यवहार का पूर्व कथन भी किया जा सकता है

प्रत्येक व्यक्ति में कुछ विशेष गुण या विशेषताएँ होती हो जो दूसरे व्यक्ति में नही होती। इन्हीं गुणो एवं विशेषताओं के कारण ही प्रत्येक व्यक्ति एक दूसरे से भिन्न होता है। व्यक्ति के इन गुणों का समुच्चय ही व्यक्ति का **व्यक्तित्व** कहलाता है। **व्यक्तित्व** का एक स्थिर अवस्था न होकर एक गत्यात्मक समष्टि है जिसपर परिवेश का प्रभाव पड़ता है और इसी कारण उसमें बदलाव आ सकता है। व्यक्ति के आचार–विचार, व्यवहार, क्रियाएँ और गतिविधियों में व्यक्ति का **व्यक्तित्व** झलकता है। व्यक्ति का समस्त व्यावहार उसके वातावरण या परिवेश में समायोजन करने के लिए होता है।

जनसाधारण में **व्यक्तित्व** का अर्थ व्यक्ति के बाह्य रूप से लिया जाता है, परंतु मानोविज्ञान में **व्यक्तित्व** का अर्थ व्यक्ति के रूप गुणों की समष्ठि से है, अर्थात व्यक्ति के वाह्य आवरण के गुण और आंतरिक तत्व, दोनो को माना जाता है।

प्रायः ऐसा देखा जाता है कि प्रत्येक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति से रूप, गुण, प्रवृतियों, आदतों आदि में विभिन्नता रखता है। यह विभिन्नता जो उसे अन्य व्यक्तियों से अलग करती है, उस व्यक्ति विशेष की **व्यक्तित्व** कहलाती है। सामान्य रूप से **व्यक्तित्व** व्यक्ति के रूप, गुण, अभिरूची, सामार्थ्य, योग्यता व व्यवहार आदि का संगठन है जो उसे अन्य व्यक्तितियों से अलग करता है।

किसी व्यक्ति या **व्यक्तित्व** उसके आचार, व्यवहार, क्रियाओं व गतिविधियों आदि से ऑका जाता है, क्योंकि प्रत्येक व्यक्ति अपने **व्यक्तित्व** के अनुसार ही आचरण करता है। इस रूप में **व्यक्तित्व** का अर्थ (Personality Meaning) व्यक्ति के वातारवण के अनुकूल करने के ढंग से लिया जा सकता है किन्तु कुछ लोगों के अनुसार व्यक्ति की शारिरीक संरचना, उसका सौष्ठव एवं मुखाकृति ही उसका **व्यक्तित्व** है क्योंकि इनसे ही